श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल राजस्थान का उद्‌बोधन

शिल्पग्राम उत्सव – 2019

दिनांक 21 दिसम्बर, 2019 समय सांय : 06.00 बजे

बागोर की हवेली, उदयपुर

भाईयो और बहनो, सम्पूर्ण भारत से कला प्रदर्शन के लिये यहां पधारे कलाकार और शिल्पकार बंधुओं।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित ''शिल्पग्राम उत्सव'' के उद्घाटन की इस पवित्र वेला में मैं आप सब का अभिनन्दन करता हूँ।

भारत की समृद्ध वैविध्यपूर्ण कला विरासत को आम जनता तक पहुंचाने तथा कलाकारों और शिल्पकारों को कला प्रदर्शन का मंच उपलब्ध करवाने, शिल्पकारों को कलात्मक उत्पाद का विक्रय करने का अवसर उपलब्ध करवाने तथा शिल्पकार का शिल्प उत्पादों के खरीददारों से सीधा सम्पर्क करवाने के उद्देश्य से केन्द्र द्वारा ''शिल्पग्राम'' में इस उत्सव का आयोजन किया जाता है।

इस वर्ष इस उत्सव का आयोजन एक नये कलेवर के साथ हो रहा है। जिसमें लोक, शास्त्रीय और उप शास्त्रीय कलाओं व शिल्प कला के कलाकार आमंत्रित किये गये हैं।

उत्सव, त्यौहार और पर्व भारत की संस्कृति का अभिन्न अंग है। ये ही ऐसे अवसर हैं जब लोग एक साथ एक जगह एकत्र हो कर आपसी प्रेम, सद्भाव और भातृत्व भाव से नृत्य, संगीत, गायन, वादन से अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं। ''शिल्पग्राम उत्सव–2019'' की मुख्य विषयवस्तु (थीम) ऐसी अवधारणा को दृष्टिगत रखते हुए निर्धारित की गई है ताकि समृद्ध कला विरासत और संस्कृति के माध्यम से भारत की एकता और श्रेष्ठता को विश्व पटल पर रख कर ''**एक भारत श्रेष्ठ भारत**'' का वास्तविक स्वरूप विश्व के सम्मुख प्रस्तुत कर सकें।

हमारी लोक कलाएँ, शिल्प परंपराएँ, हमारा खान–पान, हमारा पहनावा, आभूषण यहां तक कि हमारे आचार और विचार हमें एक सूत्र में बांधे रखने में सक्षम हैं। यही तत्व ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के मूल मंत्र भी हैं।

शिल्पग्राम उत्सव के दौरान ऐसी कई सृजनात्मक और महत्वपूर्ण गतिविधियाँ आयोजित होंगी जिसमें आपकी सहभागिता की अपेक्षा है। इनमें भारत सरकार की युवा प्रतिभा लोक कला पुरस्कार का आयोजन पहली बार उत्सव में शामिल किया गया है। उत्सव में लोक कला प्रदर्शनों एवं शिल्प के अतिरिक्त आम जनता की भागीदारी में अभिवृद्धि के लिये बंजारा रंगमंच पर ''हिवड़ा री हूक'' तथा ''सांस्कृतिक प्रश्नोत्तरी'' का आयोजन होगा।

यह आयोजन आमजन की सहभागिता तथा उनके द्वारा अपनी कला को प्रदर्शित करने का अवसर होने के साथ–साथ मेले से जन–जन का जुड़ाव परिलक्षित करेगा। उत्सव के दौरान रोजाना शाम को इस रंगमंच पर सम्पूर्ण भारत से 800 लोक कलाकारों द्वारा कला प्रस्तुतियाँ व 400 शिल्पकारों द्वारा शिल्प प्रदर्शन किया जायेगा। जिन्हें रूचिकर बनाने के लिये केन्द्र ने इसमें विभिन्न कलाओं का समावेश किया है।

मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि उत्सव की प्रत्येक गतिविधी का आप लोग पूर्ण लाभ आनन्द उठाने के साथ–साथ यहां आये कलाकारों और शिल्पकारों से मित्रवत सम्बन्ध स्थापित कर सकेंगे।

केन्द्र द्वारा वर्ष पर्यन्त विभिन्न उत्सवों का आयोजन अपने सदस्य राज्यों में किया जाता है। इसके साथ ही केन्द्र द्वारा इस वर्ष कुछ महत्वपूर्ण आयोजन किये गये हैं इनमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयन्ती समारोह के अंतर्गत सदस्य राज्यों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, जलियांवाला बाग घटना के शहीदों की स्मृति अवसर पर केन्द्र द्वारा अपना प्रोडक्शन तैयार करना तथा गुरूनानक देव के 550 वें प्रकाश वर्ष के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों के आयोजन का उल्लेख यहा करना चाहूंगा।

केन्द्र द्वारा इस उत्सव के उद्घाटन अवसर पर हर वर्ष राजस्थान के लोक कला मर्मज्ञ पद्मभूषण डॉ. कोमल कोठारी की स्मृति में केन्द्र के सदस्य राज्यों में लोक कला के क्षेत्र में उल्लखनीय कार्य करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था को लाइफ टाइम अचीवमेन्ट लोक कला पुरस्कार प्रदान किये जाने की परंपरा रही है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि इस वर्ष यह पुरस्कार गुजरात के लोक कला हसमुख राय याजनिक को लोक कला के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिये प्रदान किया जा रहा है। मैं उन्हें बधाई देता हूँ।

गत 26 नवम्बर को पूरे देश में 70वां संविधान दिवस मनाया गया। आपको बताना चाहता हूँ कि संविधान हमारा मार्गदर्शक है, हमारा मूल ग्रन्थ है। संविधान की प्रस्तावना में राष्ट्र की मूल भावना का उल्लेख है। संविधान ने हमें मौलिक अधिकार दिये हैं। संविधान के अनुच्छेद 51 (क) में हमारे द्वारा किये जाने वाले कर्तव्यों को परिभाषित किया

गया है। मौलिक अधिकार और कर्त्तव्य, यह दोनों ही संविधान के प्रमुख स्तम्भ हैं।

मौलिक अधिकारों की तो हम बात करते हैं, लेकिन आवश्यकता है कि हम हमारे कर्तव्यों को जानें, समझें और उनके अनुरूप ही अपना कार्य और व्यवहार करें।

आप लोग युवा हैं। राष्ट्र निर्माण में आपको महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इसलिए संविधान में प्रदत्त कर्तव्यों को आप लोग आचरण में लाकर आगे बढ़ें। यदि हम सभी ने ऐसा प्रयास किया तो निश्चित तौर पर भारत देश को आगे बढ़ाने और स्वयं के जीवन को भी प्रोनन्त करने में यह कदम बेहतरीन साबित होगा।

आमजन को संविधान की जानकारी होना आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता, अखण्डता व सामाजिक समरसता के लिए मूल कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। मैं चाहता हूं कि विश्वविद्यालयों में युवाओं को मूल कर्तव्यों का ज्ञान कराने के

लिए अभियान चलाया जाये। देश की युवा पीढी को मूल कर्तव्यों के बारे में बताया जाना आवश्यक है।

संविधान के अनुच्छेद 51 क पर विचार – विमर्श करने के लिए गोष्ठियां व सेमीनार आयोजित की जायें।

विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता और अद्यतन शोध द्वारा ही राष्ट्र की प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। विद्यार्थी एवं शोधार्थी जिम्मेदार नागरिक बनें। सच्चाई एवं ईमानदारी से दायित्वों का निवर्हन करें। राष्ट्र को विश्व पटल पर विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने में एकजुट होकर सक्रिय एवं सार्थक भूमिका निभाएँ।

उत्सव की विशालता और शिल्पग्राम की सजावट से मैं यह विश्वास दिलाना चाहूंगा कि इस उत्सव में आने वाले हर व्यक्ति को भारत की सांस्कृतिक तस्वीर जीवन्त रूप में नजर आयेगी। मैं आप सब को इस आयोजन की शुभकामनाएँ देते हुए उत्सव के शुभारम्भ की विधिवत घोषणा करता हूँ। धन्यवाद। जय हिन्द